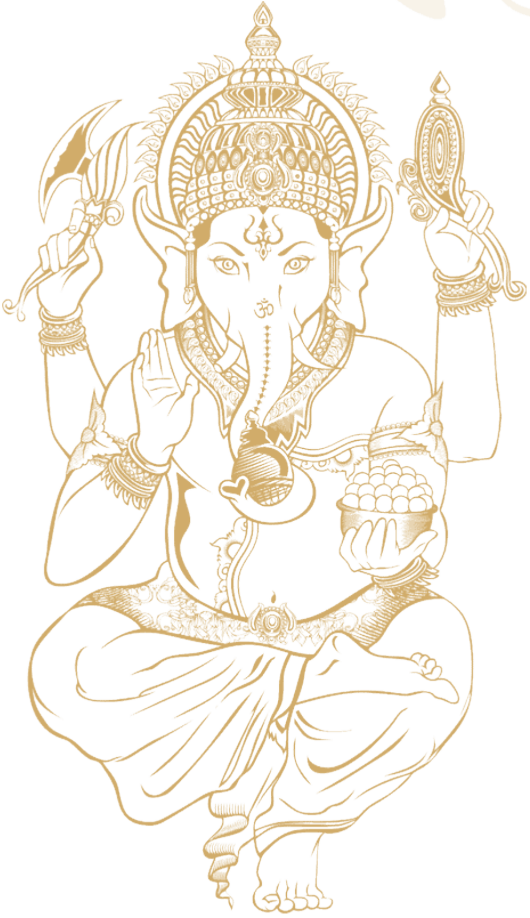

Niharika Vaishnav

19 May 2019

11:10 PM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121282904

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **19/05/2019**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **23:10:00 घंटे**
इष्ट	: 43:21:59 घटी
स्थान	: **Pali Marwar**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 25:46:00 उत्तर
रेखांश	: 73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 22:33:44 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:32 घंटे
साम्पातिक काल	: 14:22:09 घंटे
सूर्योदय	: 05:49:12 घंटे
सूर्यास्त	: 19:16:34 घंटे
दिनमान	: 13:27:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 04:20:27 वृष
लग्न के अंश	: 28:37:43 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शिव
करण	: कौलव
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:37:43	374:03:01	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			वृष	04:20:27	00:57:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	15:01:43	13:20:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल			मिथु	08:12:16	00:38:42	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	02:07:48	02:10:26	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	27:59:30	00:06:22	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	11:08:11	01:12:54	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि	व		धनु	26:05:07	00:01:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	24:29:35	00:05:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:29:35	00:05:58	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:54:28	00:03:12	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:18:37	00:01:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:52:51	00:00:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			तुला	13:46:40	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:22

लग्न-चलित

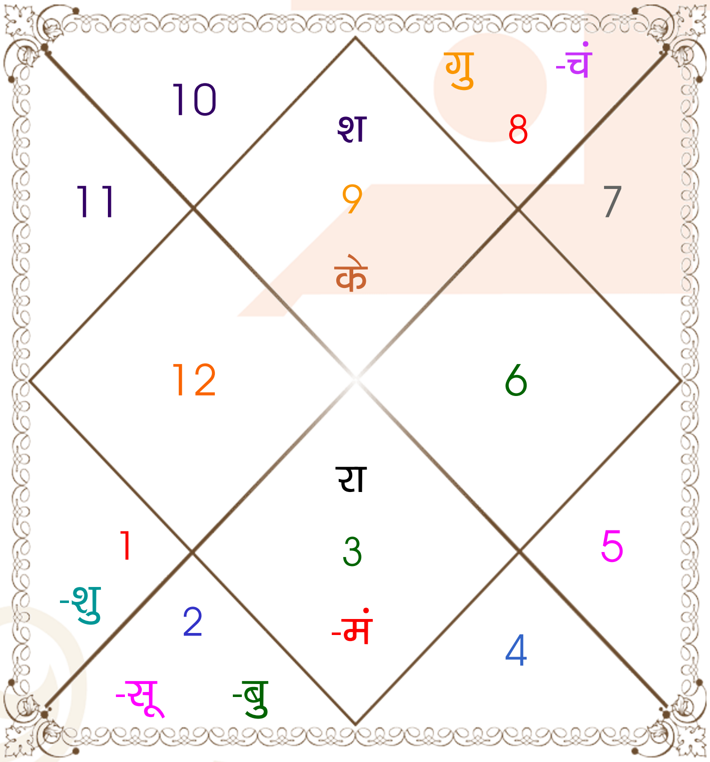

चन्द्र कुंडली

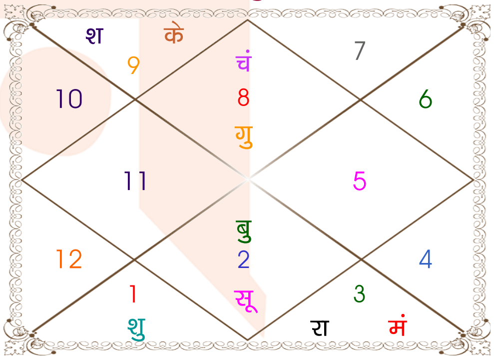

नवमांश कुंडली

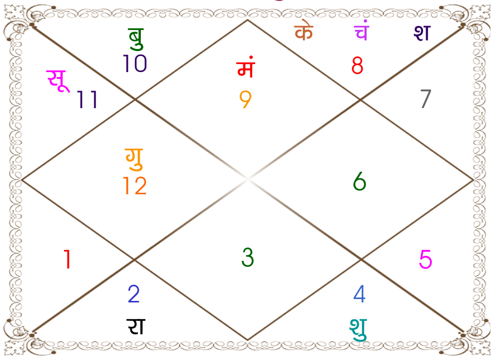

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 4 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
19/05/2019	18/09/2021	18/09/2038	18/09/2045	18/09/2065
18/09/2021	18/09/2038	18/09/2045	18/09/2065	19/09/2071
00/00/0000	बुध 15/02/2024	केतु 14/02/2039	शुक्र 18/01/2049	सूर्य 06/01/2066
00/00/0000	केतु 11/02/2025	शुक्र 16/04/2040	सूर्य 18/01/2050	चंद्र 07/07/2066
00/00/0000	शुक्र 13/12/2027	सूर्य 21/08/2040	चंद्र 19/09/2051	मंगल 12/11/2066
00/00/0000	सूर्य 18/10/2028	चंद्र 22/03/2041	मंगल 18/11/2052	राहु 07/10/2067
00/00/0000	चंद्र 20/03/2030	मंगल 19/08/2041	राहु 18/11/2055	गुरु 25/07/2068
00/00/0000	मंगल 17/03/2031	राहु 06/09/2042	गुरु 19/07/2058	शनि 07/07/2069
00/00/0000	राहु 03/10/2033	गुरु 13/08/2043	शनि 18/09/2061	बुध 13/05/2070
19/05/2019	गुरु 09/01/2036	शनि 21/09/2044	बुध 19/07/2064	केतु 18/09/2070
गुरु 18/09/2021	शनि 18/09/2038	बुध 18/09/2045	केतु 18/09/2065	शुक्र 19/09/2071

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
19/09/2071	18/09/2081	18/09/2088	19/09/2106	19/09/2122
18/09/2081	18/09/2088	19/09/2106	19/09/2122	20/05/2139
चंद्र 19/07/2072	मंगल 14/02/2082	राहु 01/06/2091	गुरु 06/11/2108	शनि 22/09/2125
मंगल 17/02/2073	राहु 05/03/2083	गुरु 25/10/2093	शनि 21/05/2111	बुध 01/06/2128
राहु 19/08/2074	गुरु 09/02/2084	शनि 31/08/2096	बुध 26/08/2113	केतु 11/07/2129
गुरु 19/12/2075	शनि 19/03/2085	बुध 20/03/2099	केतु 02/08/2114	शुक्र 10/09/2132
शनि 19/07/2077	बुध 17/03/2086	केतु 07/04/2100	शुक्र 02/04/2117	सूर्य 23/08/2133
बुध 19/12/2078	केतु 13/08/2086	शुक्र 08/04/2103	सूर्य 19/01/2118	चंद्र 24/03/2135
केतु 20/07/2079	शुक्र 13/10/2087	सूर्य 02/03/2104	चंद्र 21/05/2119	मंगल 02/05/2136
शुक्र 19/03/2081	सूर्य 18/02/2088	चंद्र 01/09/2105	मंगल 26/04/2120	राहु 09/03/2139
सूर्य 18/09/2081	चंद्र 18/09/2088	मंगल 19/09/2106	राहु 19/09/2122	गुरु 20/05/2139

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।